टीकाकरण

मपने छोटे बच्चे के टीकाकरण के बारे में अवश्य सुना होगा, आप
भी कई बार टीकाकरण केन्द्र पर टीके लगवाने गए होंगे।

शिशु एवं बच्चों को टीका क्यों लगाया जाता है,

लिया (हैपटाइटिस) टी॰बी॰, चेचक, मस्तिष्क ज्वर जैसी अनेक बीमारियों
ी रोकथाम के लिए टीका लगाया जाता है, बच्चों को पिलाई जाने
ली पोलियों की दवा भी एक टीका है।

बच्चों को टीकाकरण की आवश्यकता क्यों है।

काकरण का उद्देश्य बच्चों को संक्रामक रोगों से ग्रस्त होने की संभावना
कम करना है। इसके अलावा यदि अधिकतर लोग टीकाकरण करा
र रोगों के प्रति प्रतिरक्षा प्राप्त कर लें, तो समुदाय में आसानी से
क्रामक रोग नहीं फैल पाएंगे। परिणामस्वरूप व्यक्तियों और बच्चों
स्थ्य और जीवन की सुरक्षा की जा सकती है।

X

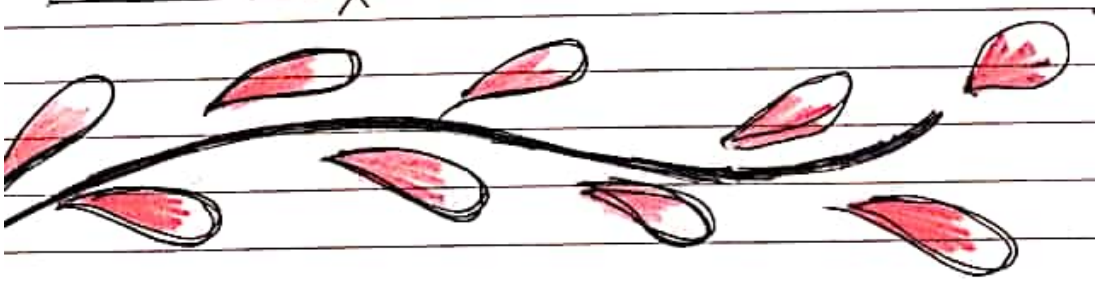

Scanned with CamScanner

बच्चों का टीकाकरण कब किया जाना चाहिए :-

टीकाकरण जन्म से ही शुरू कर देना चाहिए, क्योंकि नवजात शिशुओं की प्रतिरोध क्षमता कम होती है, और वे संक्रामक रोगों की चपेट में आ सकते हैं। जैसे-जैसे वे बड़े होते हैं, कुछ टीको की बूस्टर खुराक दी जानी चाहिए, ताकि रोग प्रतिरक्षक को बनाए रखा जा सके।

बच्चों को बूस्टर खुराक की जरूरत क्यों होती है।

कुछ टीको द्वारा उत्पन्न की जाने वाली रोग प्रतिरोधक क्षमता समय के साथ-साथ कम हो जाती है। अतः रोग प्रतिरोधक क्षमता को बनाए रखने के लिए समय-समय पर बूस्टर खुराक दी जाती है।

बच्चो को कौन-कौन से टीके लगवाने चाहिए और वे टीकाकरण कहाँ से करा सकते हैं।

हाँगकाँग चाइल्डहुड इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम में डिपार्टमेंट ऑफ हैल्थ (DH) के सेंटर फार हैल्थ प्रोटेक्शन के अंतर्गत साइंटिफिक कमेटी आन वैक्सीन-प्रीवेंटेबल डीजिज द्वारा कि गई सिफारिश के अनुसार जन्म से लेकर प्राइमरी छह तक के बच्चों को विभिन्न प्रकार के टीके और बूस्टर लेने चाहिए, ताकि उन्हें ग्यारह संक्रामक रोगों अर्थात् तपेदिक, पोलियो हैपेटाइटिस, डिप्थीरिया, काली खांसी, टिटनेस, न्यूमोकोकल संक्रमण खसरा, कनपेड़े, रूबेला-चेचक से बचाया जा सकें।

माता-पिता टीकाकरण के लिए अपने जन्म से पाँच साल की आयु के बच्चे को डिपार्टमेंट ऑफ हैल्थ के किसी भी मैटर्नल एण्ड चाइल्ड हैल्थ में ले जा सकते हैं। डिपार्टमेंट ऑफ हैल्थ की टीकाकरण टीम स्कूली बच्चों को टीकाकरण सेवाएं देने के लिए निजी डाक्टरो के पास भी ले जा सक

X

क्या वयस्कों को [illegible] इम्युनाइजेशन [illegible] से अधिक टीकों के [illegible] चाहिए।

निर्धारित [illegible] टीका [illegible] इम्युनाइजेशन [illegible] करने के लिए [illegible] टीकों के [illegible] और कुछ [illegible] टीकों के [illegible] लिए कुछ [illegible] हो सकते हैं।
इन टीकों में [illegible] का टीका, [illegible] का टीका, [illegible] का टीका [illegible] है। [illegible] को ये टीके लगवाने से पहले [illegible] से परामर्श लेना चाहिए।

किन परिस्थितियों के अंतर्गत टीकाकरण को रोके जाने की आवश्यकता हो सकती है।

कुछ परिस्थितियों के अंतर्गत टीकाकरण को रोका जा सकता है, अथवा विशेष व्यवस्था की आवश्यकता होती है। यदि आपका बच्चा निम्नलिखित में से किसी रोग अवस्था से पीड़ित है, तो आपको टीकाकरण से पहले [illegible] परामर्श लेना चाहिए।

(i) रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी की कोई रोग अवस्था,
☆ जन्मजात रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी,
☆ ल्यूकेमिया, कैंसर,

(ii) पिछले किसी टीके से गंभीर रिएक्शन का इतिहास रहा हो,
(iii) किसी एंटीबायोटिक अथवा पदार्थ से गंभीर अतिसंवेदनशीलता का इतिहास रहा हो,

यदि टीकाकरण की निर्धारित अवधि निकल जाती है, अथवा कोई टीका छूट जाता है तो माता-पिता को क्या करना चाहिए?

माता-पिता को डॉक्टर के साथ समय निर्धारित करना चाहिए, और बच्चे को जितनी जल्दी हो सके छूटे हुए टीका लगवाने के लिए डॉक्टर द्वारा बताए शेड्यूल की सिफारिश से टीका लगवाना चाहिए।

टीकाकरण के बाद कौन सा रिएक्शन हो सकता है, इस रिएक्शन का प्रबंधन किस प्रकार किया जा सकता है?

टीकाकरण के बाद होने वाले रिएक्शन आमतौर पर हल्के होते हैं। इनमें शामिल हैं, घबराहट, हल्का बुखार और इंजेक्शन लगाए जाने की जगह पर दर्द और सूजन। आपको उच्च अथवा दर्द होने पर पैरासिटामोल दे सकते हैं जो कि दर्द और बुखार को कम करने में मदद दे सकती है। माता-पिता प्रतिक्रिया को कम करने के लिए दर्द होने वाले स्थान पर ठंडा सेंक रख सकते हैं।

यदि रिएक्शन बना रहता है, अथवा हालत बिगड़े और अधिक खराब हो जाते हैं, तो डॉक्टर से बात करें, उदाहरण के लिए यदि,

* घबराहट 24 घंटे से अधिक समय तक बनी रहती है,
* तापमान 40°C (104°F) अथवा अधिक हो,
* इंजेक्शन लगाए जाने के 24 घंटे बाद भी इंजेक्शन स्थल पर सूजन अथवा दर्द बढ़ रहा हो।

Scanned with CamScanner

गंभीर प्रतिकूल रिएक्शन क्या-क्या हैं? इनके होने पर माता-पिता को क्या करना चाहिए:-

टीकाकरण के बाद गंभीर प्रतिकूल रिएक्शन बहुत ही कम होते हैं। इनमें ऐलन और वैक्सीन के प्रति गंभीर एलर्जिक रिएक्शन होना शामिल है। इसके सं और रोग-लक्षणों में शामिल हैं: त्वचा का रंग पीला होना, नब्ज तेज च साँस लेने में कठिनाई होना, त्वचा पर चकत्ते होना और टीकाकरण कुछ मिनट अथवा कुछ घंटे बाद सदमा पहुँचना।

माता-पिता को बच्चे को इलाज के लिए तत्काल एक्सिडेंट एण्ड इमर्जेंसी डिपार्टमेंट में ले जाना चाहिए। माता-पिता को बच्चे में लक्षण और रोग-लक्षणों की शुरुआत के समय के बारे में और वैक्सीन देने की के बारे में डॉक्टर को बताना चाहिए, उन्हें डॉक्टर को चाइल्ड हेल्थ रिकार्ड में इन रिएक्शन के बारे में लिखने के लिए कहना चाहिए। यह रिकार्ड भविष्य में अन्य टीकाकरण प्राप्त करने से पहले आवश्यक एहतियात बरतने के लिए संदर्भ हेतु महत्वपूर्ण है।